सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय सेवा योजना

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर

दिनाँक : 26 फरवरी 2022 से 04 मार्च 2022

रामचन्द्र मिशन आश्रम परिसर , अमलेश्वर जिला दुर्ग

आयोजक : उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन

संगठन व्यवस्था : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर (छ. ग.)

अनुक्रमणिका :

1. परिचय :

2. कार्यक्रम विवरण :

3. शिविर कार्य की फोटो :

4. दैनिक समाचार की कतरने :

शिविर दिनचर्या :

क्रमांक	समय	कार्य विवरण
1.	प्रात:5 बजे	जागरण
2.	6:00 से 7:30	योग,प्राणायाम,ध्यान
3.	7:30 से 8:30	नाश्ता एवम चाय
4.	8:30से 11:00	परियोजना कार्य
5.	11:00से 1:00	स्नान व अन्य कार्य
6.	1:00 से 2:00	भोजन
7.	2:00 से 4:30	अकादमिक सत्र
8.	4:30 से 5:00	चाय
9.	5:00 से 6:00	पारंपरिक खेलकूद
10.	6:00 से 6:30	समीक्षा बैठक
11.	6:30 से 8:30	सांस्कृतिक कार्यक्रम
12.	8:30 से 9:30	भोजन
13.	10:00 बजे	रात्रि विश्राम

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर में सहभागी विश्वविद्यालय:

1. अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर
2. संत गहीरागुरु विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर (सरगुजा)
3. शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़
4. शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर (बस्तर)
5. हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग
6. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
7. छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई
8. पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

राज्य स्तरीय शिविर में राज्य के राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित 8 विश्वविद्यालयों के 225 स्वयं सेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों, जिला संगठकों, कार्यक्रम समन्वयक एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति रही |

परिचय:

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर,2022 अमलेश्वर,दुर्ग छ.ग. का आयोजन 26 फरवरी से 4 मार्च 2022 तक पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी,रायपुर की संगठन व्यवस्था में अमलेश्वर जिला दुर्ग में आयोजित किया गया|

राष्ट्रीय सेवा योजना, राज्य स्तरीय शिविर न केवल स्वयंसेवकों को समाज के कल्याणकारी कार्यो के लिए तैयार करता है,बल्कि उनकी नेतृत्व क्षमता, साहस व व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है|

शिविर में प्रतिदिन क्रमश: योग, प्राणायाम, ध्यान, परियोजना कार्य, अकादमिक सत्र,पारम्परिक खेलकूद तथा विविधता में एकता को समेटे हुए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाता रहा| प्रतिभागियों के रूप में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों एवम विश्वविद्यालयों से आये स्वयंसेवको ने 26 फ़रवरी से 04 मार्च 2022 तक शिविर को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के प्रतिबिम्ब के रूप में प्रदर्शित किया है|

इस शिविर में स्वयंसेवकों से न केवल परियोजना कार्य के रूप में श्रमदान का कार्य

श्रमदान का कार्य कराया गया अपितु उन्हें आपसी परिचर्चा का मौका दिया गया,इन्हें परस्पर रामगढ की पहाडियों से लेकर दंडकारण्य प्रदेश तक की संस्कृति, रीति-रिवाज, बोली, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा को जानने का अवसर भी प्रदान किया गया|राज्य स्तरीय शिविर का शुभारम्भ प्रात: 5 बजे जागरण से लेकर रात्रि 10 बजे तक संचालित किया जाता रहा | प्रात: जागरण व प्रभातफेरी के साथ शिविर के प्रतिदिन की शुरूवात होती रही| जिसके अंतर्गत जागरण उपरांत योग,प्राणायाम,व्यायाम तथा ध्यान की गतिविधिया आयोजित की जाती रही, तद्पश्चात परियोजना कार्य, अकादमिक सत्र, पारंपरिक खेलकूद व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाता रहा|

इस शिविर का सफल संचालन उच्च शिक्षा विभाग,छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में हुआ| राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ कार्यक्रम समन्वयक, जिला संगठक, कार्यक्रम अधिकारियो व स्वयंसेवकों की उपस्थिति में शिविर स्थल श्री रामचंद्र मिशन आश्रम परिसर, अमलेश्वर दुर्ग में राज्य

रासेयो अधिकारी डॉ समरेन्द्र सिंह के कर कमलों से राष्ट्रीय सेवा योजना के ध्वजारोहण पश्चात् हुआ|

शिविर के प्रथम दिवस पर राज्य रा से यो अधिकारी डॉ समरेन्द्र सिंह,पदेन उप सचिव उच्च शिक्षा विभाग तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ नीता वाजपेयी द्वारा शिविर की आधारभूत जानकारी व दिशा निर्देश प्रदान किया गया|सभी कार्यक्रम अधिकारियो की विभिन्न समितियों में ड्यूटी लगाई गई जिसके सफलतापूर्वक शिविर का संचालन हो सके|स्वयंसेवकों को विभिन्न सात समूहों में विभाजित कर दिया गया और शिविर का संचालन समूहों के गतिविधियों के माध्यम से किया गया|

उद्घाटन सत्र: राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर का संचालन 26 फ़रवरी से 4 मार्च 2022 तक श्री रामचंद्र मिशन आश्रम परिसर,अमलेश्वर दुर्ग में किया गया,जिसके प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में

प्रो.केशरीलाल वर्मा,कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर,डॉ समरेन्द्र सिंह राज्य रा से यो अधिकारी व पदेन उप सचिव उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन, प्रो.ए.के.श्रीवास्तव संचालक प्रबंधन संस्थान पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर,डॉ आर. पी. अग्रवाल कार्यक्रम समन्वयक, हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग तथा डॉ नीता वाजपेयी कार्यक्रम समन्वयक, पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी की गरिमामयी उपस्थिति रही|प्रो केशरीलाल वर्मा जी ने स्वयंसेवकों को बताया कि शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों में ऊर्जा का संचार होता है, साथ ही उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास भी होता है|

उद्घाटन सत्र में उक्त अतियियों के अलावा डॉ डी एस.रघुवंशी कार्यक्रम समन्वयक स्वामी विवेकानंद तकनीकी यूनिवर्सिटी भिलाई,डॉ प्रह्लाद संगोड़े कार्यक्रम समन्वयक इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर,डॉ एल एस गजपाल जिला संगठक जिला रायपुर, श्री भोजराम पटेल जिला संगठक जिला रायगढ़ की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही|

योग,प्राणायाम व ध्यान :

स्वास्थ्य जागरूकता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर में प्रतिदिन प्रात: जागरण उपरांत 6:00 बजे से योग गुरु योग शिक्षक संघ श्री हितेश कुमार तिवारी द्वारा सूर्य नमस्कार, योग, प्राणायाम की गतिविधिया आयोजित की गई|

राज्य रासेयो अधिकारी डॉ समरेन्द्र सिंह द्वारा प्रतिदिन स्वयंसेवकों को सुविचार दिए जाते रहे तद्पश्चात हार्टफुलनेस से श्री देवनारायण शर्मा द्वारा ध्यान की क्रिया कराई गई|ज्ञातव्य है की योग,प्राणायाम,ध्यान से न ही सिर्फ स्वास्थ्य दुरुस्त रहता है अपितु यह स्वस्थ शरीर में स्वस्थ्य मन का निर्माण भी करता है|

परियोजना कार्य:

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर के परियोजना कार्य में श्रमदान हेतु सात समूहों के अंतर्गत सभी स्वयंसेवकों को शामिल किया गया| जिसमे कार्यक्रम अधिकारियो को प्रभारी अधिकारी के रूप में चयनित किया गया|शिविर के द्वितीय दिवस से परियोजना कार्य का आरम्भ हुआ जिसमे उक्त दिवस पर प्रथम समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई की गई,द्वितीय समूह द्वारा शिविर स्थल एवम उसके आस-पास के क्षेत्रों को चुना से चिन्हांकित करने का कार्य किया गया,तृतीय समूह द्वारा तालाब में पचरी की साफ-सफाई का कार्य किया गया,चतुर्य और पांचवे समूह द्वारा तालाब की साफ सफाई का कार्य किया गया,छठवे समूह द्वारा मंदिर प्रांगण की सफाई तथा सांतवे समूह द्वारा अमलेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान चलाया गया|

शिविर के तृतीय दिवस पर प्रथम समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ सफाई की गई, द्वितीय समूह द्वारा शिविर स्थल एवं आस-पास के स्थानों को चूना से चिन्हांकित किया गया, तृतीय समूह द्वारा तालाबों में पचरी की साफ सफाई का कार्य, चतुर्थ समूह द्वारा गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया, पांचवे समूह द्वारा तालाब परिसर की सफाई व चबुतरा निर्माण का कार्य, छठवें समूह द्वारा नर्सरी की साफ-सफाई का कार्य तथा सातवें समूह द्वारा नुक्कड नाटक का मंचन किया गया।

चतुर्य दिवस पर प्रथम समूह द्वारा तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया, द्वितीय समूह द्वारा नया तालाब से मिट्टी एकत्रित कर बरगद के वृक्ष में चबूतरा निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया, तृतीय समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई का कार्य किया गया,चतुर्य व पांचवे समूह द्वारा तालाब की साफ-सफाई का कार्य,छठवें समूह द्वारा चबूतरा निर्माण का कार्य तथा सांतवे समूह द्वारा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का कार्य किया गया|

पांचवे दिवस पर प्रथम समूह द्वारा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का कार्य किया गया,द्वितीय समूह द्वारा बरगद के वृक्ष पर चबूतरा निर्माण का कार्य, तृतीय समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई का कार्य, चतुर्य समूह द्वारा शिविर स्थल व् उसके आस-पास के क्षेत्रों में चूना से चिन्हांकन का कार्य,पांचवे समूह द्वारा पुराने तालाब परिसर की साफ-सफाई का कार्य, छठवे और सांतवे समूह द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया| छठवे दिवस पर प्रथम,द्वितीय,तृतीय व् चतुर्य समूह को खारुन नदी के तट महादेव घाट पर स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम हेतु ले जाया गया,जहां राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता कार्य भी सम्पादित किया| महादेव घाट पर मिनिस्ट्री ऑफ़ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स,गवर्नमेंट ऑफ़ इण्डिया की टीम स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु पहुची, तथा

उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यो की सराहना भी की|इस कार्यक्रम में यूनिसेफ इंडिया प्रमुख व छत्तीसगढ़ प्रमुख श्री जॉब जकारिया जी का भी आगमन हुआ उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में चलने वाले कार्यो में रा से यो स्वयंसेवकों की मेहनत व लगन की तारीफ की|

छठवे दिवस पर ही पांचवे,छठवे और सांतवे समूह को परियोजना कार्य हेतु अमलेश्वर ग्राम भ्रमण हेतु ले जाया गया, जहाँ स्वयंसेवकों ने तालाब परिसर की सफाई,चबूतरा निर्माण व् गली-मोहल्लो में स्वच्छता अभियान चलाया| परियोजना कार्य के अंतर्गत श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्वपूर्ण पक्ष है|

जिससे एक स्वयंसेवक न सिर्फ समाज के लिए अपना श्रम दान करते है,बल्कि समाज के प्रति अपनी जवाबदेही व उत्तरदायित्व को भी भलीभांति समझ पाते है|

अकादमिक सत्र :

राज्य स्तरीय सात दिवसीय शिविर के अकादमिक सत्र में प्रतिदिन स्वयंसेवकों के लिए स्पोकन इंग्लिश की कक्षाए आयोजित कराई गई| श्री अशरफ हिंगोरा द्वारा स्वयंसेवकों को प्रतिदिन इंग्लिश बोलने और समझने के तरीकों से अवगत कराया गया,साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों को समूह में विभाजित कर आपस में अंग्रेजी में बातचीत करने को कहा जिससे स्वयंसेवक बिना किसी परेशानी के अंग्रेजी में बातचीत करना सीख सकें|

अकादमिक सत्र में स्पोकन इंग्लिश की क्लास के अतिरिक्त प्रबुध्द जनों का आगमन हुआ जिसमें प्रथम दिवस पर श्री अशरफ हिंगोरा जी ने स्पोकन इंग्लिश की क्लास के साथ साथ स्वयंसेवकों को मोटिवेशनल स्पीच व व्यक्तित्व विकास के तरीके सिखाए|

शिविर के द्वितीय दिवस पर अकादमिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो गिरीशकान्त पांडेय जी,रजिस्ट्रार पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर का आगमन हुआ,आपका विषय था- "राष्ट्रीय एकीकरण में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका"| उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि कोई देश वहां की संस्कृति, सभ्यता व परम्पराओ से निर्मित होता है, इसलिए हमें अपनी संस्कृति ,परम्परा को अपनाये रखना चाहिए| उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि ये हम सब का कर्तव्य है की हम देश की एकता को बनाये रखने में समाज को सहयोग करे|

शिविर के तृतीय दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री अशरफ हिंगोरा ने स्वयं सेवकों को स्पोकन इंग्लिश की क्लास दी तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री आकाश गिरी गोस्वामी द्वारा स्वयं सेवकों को नाट्य कला मंचन के तरीके सिखायें। आकादमिक सत्र के तृतीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी स्नेहा यवाईत द्वारा सोशल मिडिया की जानकारी स्वयं सेवकों को दी गई। राज्य एन.एन.एस. अधिकारी डॉ. समरेन्द्र सिंह ने स्वयंसेवकों को सामाजिक मुद्दो से संबंधित विषय प्रदान किया जिस पर स्वयंसेवकों को अपने विचार प्रस्तुत किये।

शिविर के चतुर्थ दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री दिलीप मोहंती व् श्री परेश काला निको, कंपनी लिमिटेड का आगमन हुआ, उन्होंने स्वयंसेवकों को व्यक्तित्व विकास और स्व-रोजगार की विस्तृत जानकारी प्रदान की| पांचवे दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री अशरफ हिंगोरा जी का आगमन हुआ उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से इंग्लिश सीखने के तरीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की|

छठवे व अकादमिक सत्र के अंतिम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री मोहित गर्ग ,भारतीय पुलिस सेवा तथा श्री शौर्य वाजपेयी, विंग कमांडर भारतीय वायु सेना का आगमन हुआ| श्री मोहित गर्ग ने स्वयंसेवकों को अनुशासन,धर्य, का पाठ पढाया तथा कैरियर मार्गदर्शन भी किया| श्री शौर्य वाजपेयी ने स्वयंसेवको को "डिजिटल इण्डिया" की विस्तृत जानकारी प्रदान की साथ की कहा कि हमें डिजिटल माध्यमो का सदुपयोग करना चाहिए न कि दुरुपयोग कराना चाहिए|सत्र के अंतिम में प्रश्नोत्तरी गतिविधिया आरभ हुई| स्वयंसेवकों ने हमारे मुख्य वक्ताओ से करियर मार्गदर्शन से सम्बंधित प्रश्न कर विभिन्न जानकारिया एकत्रित की|

राष्ट्रीय सेवा योजना
"ग्रामीण विकास के लिये युवा"

राष्ट्रीय सेवा योजना
"ग्रामीण विकास के लिये युवा"
दिनांक : 26 फरवरी 2022 से 4 मार्च 2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर
"ग्रामीण विकास के लिये युवा"

राष्ट्रीय सेवा योजना
राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर

खेलकूद सत्र:

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर में श्रमदान,अकादमिक सत्र के अतिरिक्त शारीरिक विकास के साय साय मनोरंजन व परम्पराओ के हस्तांतरण को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन स्वयंसेवकों को छत्तीसगढ़ी पारम्परिक खेल जैसे रुमाल झपट्टा, राम- रावन,कितने भाई कितने आदि ग्रामीण खेलो का आयोजन किया गया,जिसमे स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़ कर सहभागिता निभाई|

सांस्कृतिक कार्यक्रम:

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिदिन संध्या कालीन सत्र में किया जाता रहा,जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक संध्या में सभी शिविरार्थियो द्वारा अपनी पारम्परिक वेशभूषा के साथ लोक संस्कृति पर आधारित नृत्यों का मंचन किया गया| स्वयंसेवकों ने छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों के साथ-साथ देशभक्ति व देशप्रेम पर आधारित लोक नृत्यों व् स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया, साथ ही स्वयंसेवकों ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रतिघात करने के उद्देश्य से कन्या भ्रूण हत्या, अशिक्षा आदि विषयों पर आधारित नाटक का भी मंचन किया|

कर्मा ,ददरिया ,सुआ, सरगुजिया, नागपुरिया, राउत नाचा, रीलो, डंडा नृत्य, बस्तरिहा नृत्य,फाग नृत्य,बारहमासी नृत्य आदि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का अभिन्न अंग है, स्वयंसेवकों ने अपने राज्य की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी वेशभूषा के साथ लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी|

सांस्कृतिक रैली:

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर का पाँचवाँ दिवस शिविरार्थियो के लिए ऐतिहासिक व यादगार दिन रहा| शिविर के पांचवे दिन दिनांक 02 \03 \2022 को सभी शिविरार्थियो ने पूरी सज-सज्जा के साथ 'सांस्कृतिक रैली' का आयोजन किया, शिविरार्थी पारम्परिक 'छत्तीसगढ़ी वेशभूषा के साथ साथ सम्पूर्ण भारतदेश के विभिन्न राज्यों से जुडी संस्कृति,परम्परा को धारण किये हुए ये,छत्तीसगढ़ के इन स्वयंसेवकों द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत गुजराती वेशभूषा में गुजराती लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया|सभी शिविरार्थी "विविधता में एकता" को प्रदर्शित करते हुए जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक तथा गुजरात के कच्छ से लेकर सात बहनों के राज्य तक सभी लोक संस्कृतियों को अपनाये हुये ये|

सांस्कृतिक रैली के इस अवसर पर राज्य रा से यो अधिकारी डॉ समरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि स्वयंसेवकों में ऊर्जा,अनुशासन के साथ साथ अपनी संस्कृति को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करने का जज्बा भी है|राज्य रा.से.यो अधिकारी के साथ साथ सांस्कृतिक रैली में अतिथि के रूप में नगर-निगम उप आयुक्त श्री सुनील चंद्रवंशी जी का आगमन हुआ, मुख्य अतिथि ने खारुन नदी के तट महादेव घाट से हरी झंडी दिखाकर भव्य सांस्कृतिक रैली को रवाना किया, रा.से.यो. छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित यह सांस्कृतिक रैली महादेव घाट से लेकर रायपुर चौक तक सम्पूर्ण भारतवर्ष की लोक संस्कृतियों की छटा बिखेरी है|

समापन समारोह:

राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर के दिनांक 26\02\22 से 04\03\22 तक सफलतापूर्वक आयोजन उपरांत सांतवे दिवस व समापन की बेला में समापन समारोह का आयोजन किया गया | जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो केशरीलाल वर्मा,कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो अरूणा पल्टा कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, राज्य रा.से.यो. अधिकारी व पदेन उप सचिव डॉ समरेन्द्र सिंह तथा श्री सैम सुधीर बंडी विशेष संचार अधिकारी यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की गरिमामयी उपस्थिति रही,उक्त अतिथियों के अतिरिक्त समापन समारोह में डॉ आर.पी. अग्रवाल,कार्यक्रम समन्वयक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, डॉ डी.एल. रघुवंशी ,कार्यक्रम समन्वक स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, शिविर संगठन व्यवस्था प्रभारी डॉ नीता वाजपेयी कार्यक्रम समन्वयक पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, भोजराम

निष्कर्ष:

इस प्रकार 26 फरवरी से 04 मार्च 2022 तक आयोजित राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर में शिविरार्थियो ने शत-प्रतिशत सहभागिता निभाई है|शिविर ने न केवल स्वयंसेवकों को श्रमदान व् समाज कल्याण के गुर सिखाया है,अपितु शिविरार्थियो में व्यक्तित्व का विकास,परस्पर सहयोग व सामंजस्य की भावना को भी जागृत किया है|

उत्तर में सरगुजा वनांचल से साल वृक्ष की धरती 'बस्तर ' तक राष्ट्रीय सेवा योजना गुंजायमान है,और इस शिविर में उपस्थित स्वयंसेवक इस बात का पुख्ता प्रतीक है|जहां एक ओर शिविर ने स्वयंसेवकों को व्यायाम,योग,प्राणायाम द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना सिखाया है,वहीं दूसरी ओर परियोजना कार्य में श्रमदान कर समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक भी बनाया है| जहाँ एक ओर अकादमिक सत्र ने उन्हें भविष्य निर्माण हेतु करियर मार्ग-दर्शन व जीवन की व्यावहारिकता भी सिखाई है|वहीं दूसरी ओर खेलकूद के माध्यम से उनका मनोरंजन भी किया है|

शिविर में 'विविधता में एकता' को प्रदर्शित करती सांस्कृतिक संध्या ने उन्हें विविध संस्कृतियों से अवगत कराया है,साथ ही अन्य धर्म,जाति,संप्रदाय,परम्परा व संस्कृति के प्रति सहिष्णु रहना भी सिखाया है|प्रात: जागरण से लेकर रात्रि विश्राम तक सभी शिविरार्थियो का एकतापूर्वक रहना व परस्पर सहयोग करना ही राष्ट्रीय सेवा योजना के अर्थ को चरितार्थ करता है|

इस प्रकार राज्य स्तरीय शिविर,2022 अमलेश्वर ,दुर्ग ने सभी शिविरार्थियो को परस्पर सहयोग,घनिष्ठता,सामंजस्य, सेवा का पाठ सिखाकर समाज में राष्ट्रीय सेवा योजना के दूत के रूप परिष्कृत किया है|

Shot on OnePlus
By SNEHA THAWAIT
26/02/22
12:50

राष्ट्रीय सेवा योजना
Shot on OnePlus
By SNEHA THAWAIT
26/02/22
15:46

राष्ट्रीय सवा योजना
राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर
"ग्रामीण विकास के लिये युवा"
Shot on OnePlus
By SNEHA THAWAIT

Shot on OnePlus
By SNEHA THAWAIT
27/02/22
06:50

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय विशेष कैम्प प्रारम्भ

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर शनिवार से यहाँ अमलेश्वर स्थित श्रीरामचंद्र मिशन योग आश्रम में प्रारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह के अन्य सम्मानीय अतिथियों में राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. समरेंद्र सिंह, प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, संचालक प्रबन्धन संस्थान, प.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ. आर.पी. अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग तथा डॉ. नीता बाजपेयी, कार्यक्रम समन्वयक, प.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर उपस्थित रहे।

शिविर के प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. केशरी लाल वर्मा ने स्वयं सेवकों को बताया कि शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों में ऊर्जा का संचार होता है। भविष्य में स्वयं सेवकों की नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है तथा समाज में लोगों को जागरूक कर सामाजिक हित व अच्छे संस्कार प्रदान करते है। कार्यक्रम का संचालन आकाश गोस्वामी कार्यक्रम अधिकारी शा उ मा विद्यालय खरतुली ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ आर पी अग्रवाल ने किया।

शिविर के बौद्धिक सत्र में श्री अशरफ हिंगोरा मोटिवेशनल स्पीकर ने स्वयं सेवकों को व्यक्तित्व विकास एवं स्पोकन इंग्लिश की विस्तृत जानकारी प्रदान की। ज्ञातव्य हो कि शिविर में प्रतिदिन बौद्धिक सत्र में स्पोकन इंग्लिश की कक्षाएं चलाई जाएगी। शिविर की सांस्कृतिक संध्या में प्रतिदिन प्रत्येक विश्वविद्यालय को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित लोक नृत्यों की प्रस्तुति करनी होगी। प्रथम दिवस पर प्रत्येक विश्वविद्यालय ने समय सीमा में पंथी, सुआ कर्मा, स्वच्छता जागरूकता व बारहमासी नृत्यों आदि की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में उक्त अतिथियों के अलावा डॉ. डी एस रघुवंशी कार्यक्रम समन्वयक, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, डॉ प्रह्लाद संगोड़े कार्यक्रम समन्वयक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ एल एस गजपाल जिला संगठक रायपुर, श्री भोजराम पटेल जिला संगठक रायगढ़ की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। इस विशेष शिविर में पूरे राज्य भर से 201 स्वयं सेवकों व अधिकारियों की सहभागिता है। यह शिविर 4 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है।

रासेयो के कैम्प में लगी योगा और अंग्रेजी की कक्षाएँ

- **रासेयो के विशेष कैम्प के दूसरे दिन भी अनेक रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन**
- **ग्रामीण इलाकों की स्वच्छता का कार्य भी सम्पन्न**

रायपुर, 27 फरवरी (असं)।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर में योगा के साथ-साथ स्पोकन इंग्लिश की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। कैम्प के दूसरे दिन रविवार को भी अनेक रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय विशेष शिविर 2022 के द्वितीय दिवस पर प्रातः 6 बजे योग गुरु हितेश तिवारी द्वारा शिविरार्थियों को योग, प्राणायाम की गतिविधियां कराई गईं। इसके साथ ही हार्ट फुलनेस द्वारा मेडीटेशन कराया गया। योगा के उपरांत सभी शिविरार्थियों को सात समूहों में विभाजित किया गया ताकि शिविर में आये विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्वयंसेवक परस्पर सहयोग की भावना से कार्यों का संपादन कर सकें। स्वयंसेवकों के सभी समुहों को उनके प्रभारी कार्यक्रम अधिकारियो के साथ परियोजना कार्य हेतु ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण पर ले जाया गया। प्रथम समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई की गई। द्वितीय समूह द्वारा चूना से शिविर स्थल व आस-पास के जगहों को चिन्हित किया गया।

तृतीय समूह द्वारा तालाबों में पचरी की सफाई का कार्य किया गया। चतुर्थ समूह द्वारा स्वच्छता कार्य सम्पन्न किया गया। पांचवें समूह द्वारा तालाब परिसर की साफ-सफाई की गई। छठवें समूह द्वारा मंदिर प्रांगण की साफ-सफाई तथा सातवें समूह द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया।

बौद्धिक परिचर्चा के प्रथम सत्र में अशरफ हिंगोरा द्वारा स्पोकन इंग्लिश की कक्षा ली गई। द्वितीय सत्र में प्रो गिरिशकान्त पांडेय, कुलसचिव पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर का आगमन हुआ, उन्होंने स्वयंसेवको से कहा कि कोई भी देश वहाँ की संस्कृति, सभ्यता, परम्पराओं से निर्मित होता है, इसलिए हमें अपनी संस्कृति व परंपरा को अपनाए रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमे एकता सिखाता है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के मौर्य काल सहित भारत का ऐतिहासिक वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र कुमार नायक कार्यक्रम अधिकारी संत गहिरा गुरु यूनिवर्सिटी सरगुजा व आभार प्रदर्शन डॉ रत्ना नशीने इंदिरा गाँधी कृषि यूनिवर्सिटी रायपुर ने किया। बौद्धिक सत्र के पश्चात स्वयंसेवकों को पारंपरिक खेल, रुमाल झपट्टा, रस्साकसी का खेल खिलाया गया। द्वितीय दिवस की सांस्कृतिक संध्या में प्रत्येक यूनिवर्सिटी द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं पर आधारित ददरिया, राउत नाचा, फागुन गीत, सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाटक आदि की प्रस्तुति दी गई।

युवाओं ने सीखी नाटक मंचन की कला

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर में युवाओं को सोशल मीडिया की जानकारी देने के साथ ही नाटक मंचन की कला भी सिखाई जा रही है। शिविर के तीसरे दिन भी ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता का कार्य किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय विशेष शिविर-2022 के तृतीय दिवस सुबह 6 बजे योग गुरु हितेश तिवारी द्वारा शिविरार्थियों को योग, प्राणायाम की गतिविधियां कराई गई। देव नारायण शर्मा जी द्वारा हार्टफुलनेस मेडीटेशन कराया गया। इसके पश्चात सभी शिविरार्थियो को उनके प्रभारी कार्यक्रम अधिकारियो के साथ परियोजना कार्य हेतु ग्राम-भ्रमण पर ले जाया गया। ग्राम-भ्रमण के अंतर्गत प्रथम समूह द्वारा शिविर स्थल की साफ सफाई की गई। द्वितीय समूह द्वारा चूना से शिविर स्थल व आसपास के स्थानों को चिन्हित किया गया। तृतीय समूह द्वारा तालाबों में पचरी की सफाई कार्य, चतुर्थ समूह द्वारा स्वच्छता कार्य, पंचम समूह द्वारा तालाब परिसर व छठे समूह द्वारा नर्सरी की साफ-सफाई की गई तथा सातवें समूह द्वारा स्वच्छता विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। स्वयंसेवकों के साथ राज्य रासेयो अधिकारी डॉ समरेंद्र सिंह ने नर्सरी में साफ-सफाई के कार्यों में सहभागिता दी। शिविर में बौद्धिक परिचर्चा के प्रथम सत्र में अशरफ हिंगोरा द्वारा स्पोकन इंग्लिश की कक्षा ली गई। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों को सोशल मीडिया की जानकारी प्रदान की गई साथ ही उन्हें नाटक मंचन कला के गुर सिखाए गए।

अंतिम-सत्र में राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ समरेंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों को सामाजिक मुद्दों से सम्बन्धित विषय प्रदान किया जिसमें स्वयंसेवको को अपने विचार रखने को कहा गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी मिथिला सिंघारे व आभार प्रदर्शन स्वयंसेविका हर्षिता दुर्ग विश्वविद्यालय ने किया। बौद्धिक सत्र के पश्चात स्वयंसेवकों को छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल, रुमाल झपट्टा, रस्साकसी ,राम रावण, कितने भाई कितने खेल खिलाया गया।तृतीय दिवस की सांस्कृतिक संध्या में प्रत्येक यूनिवर्सिटी द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं पर आधारित रीलों नृत्य, नागपुरी नृत्य, जसगीत आदि की प्रस्तुति दी गई।

रैली निकालकर दिया 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का संदेश

रायपुर, 2 मार्च (असं)।

पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी की संगठन व्यवस्था में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय विशेष शिविर-2022 के अंतर्गत स्वयं सेवकों ने बुधवार को भव्य सांस्कृतिक रैली निकालकर भारत की अखंडता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देकर लोगों को जागरुक किया। शिविर के माध्यम से योगा व सफाई अभियान भी जारी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कैम्प के दौरान भारत की विभिन्नता में एकता और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धता को प्रदर्शित करती हुई भव्य सांस्कृतिक रैली का आयोजन बुधवार को किया गया। इस रैली में सभी स्वयंसेवक पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा के साथ ही देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करने वाली वेशभूषा धारण किये हुए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों को राष्ट्रीय सम्मान

मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर की टीम ने की सराहना

स्वयंसेवकों ने महादेव घाट, खारून नदी के तट पर किया सफाई का कार्य

[illegible]

आयोजन

रासेयो की रैली में प्रांतों की झांकी

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के दौरान बुधवार को राजधानी में संस्कृति रैली का आयोजन किया गया. युवाओं ने अलग-अलग प्रांतों की वेशभूषा पहनकर रैली निकाली. नवभारत फोटो

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष कैम्प समाप्त

स्वयंसेवकों के माध्यम से आम लोगों तक पहुँचाएं सरकार की योजनाएं : प्रो. केशरीलाल वर्मा

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष कैम्प का शुक्रवार को समापन हुआ। इस अवसर पर रविवि के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने स्वयंसेवकों के माध्यम से सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि शुक्रवार 4 मार्च को विशेष कैम्प का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा थे। अध्यक्षता हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग की कुलपति प्रो. अरुण पलटा ने की। अन्य सम्मानीय अतिथियों में डॉ समरेंद्र सिंह राज्य एनएसएस अधिकारी व पदेन उपसचिव उच्च शिक्षा विभाग, सैम सुधीर बंदी, विशेष संचार अधिकारी यूनिसेफ छत्तीसगढ़, हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी के रासेयो कार्यक्रम समन्वयक डॉ.आर पी अग्रवाल, स्वामी विवेकानंद तकनीकी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. डी. एल. रघुवंशी तथा राज्य स्तरीय शिविर की संगठन व्यवस्था प्रमुख कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीता बाजपेयी पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी उपस्थित रहीं।